श्री गुजराती समाज बी.एड. महाविद्यालय में जन्माष्टमी महापर्व पर "श्रीकृष्ण – एक संपूर्ण व्यक्तित्व "विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन

श्री गुजराती समाज बी.एड. महाविद्यालय में जन्माष्टमी महापर्व पर "श्रीकृष्ण – एक संपूर्ण व्यक्तित्व "विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. किरण दम्मानी की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के आरंभ में सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ. किरण दम्मानी ने प्रशिक्षणार्थियों को श्री भगवद् गीता के बारे में जानकारी दी। जिसमें उन्होंने गीता में कुल अध्यायों की संख्या, प्रत्येक अध्याय का नाम तथा प्रत्येक अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण ने किस विषय पर चर्चा की है, के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अगर उत्तम ढंग से जीवन जीना है तो उसे श्री भगवद् गीता का अध्ययन अवश्य करना चाहिए। यह ग्रंथ प्रत्येक व्यक्ति को उसके जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान में सहायक है बशर्ते मनुष्य उसके अनुसार अपना जीवन–यापन करे।

कार्यक्रम में धीरज तिवारी ने मध्यप्रदेश के उन स्थानों के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया, जिनसे भगवान श्रीकृष्ण का संबंध रहा, जैसे– सांदिपनी आश्रम, उज्जैन, जहॉ से उन्होंने 64 कलाओं एवं 16 विद्याओं का ज्ञान प्राप्त किया। श्री परशुरामजी की जन्मस्थली जानापाव, जहॉ उन्होंने दुष्टों का संहार करने के लिए श्री परशुरामजी से सुदर्शन चक्र प्राप्त किया था। धार जिले का अमझेरा शहर, जहॉ पर श्रीकृष्णजी ने रूक्मिणीजी के कहने पर उनका हरण किया था .। इसके अलावा रोशनी चौरिसया ने श्रीकृष्णजी के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा पूजा देवड़ा ने श्रीकृष्णजी के मित्रता निभाने से संबंधित कई प्रसंगों का उल्लेख किया तथा बताया कि किसी भी व्यक्ति को मित्रता का निर्वाह कैसे करना चाहिए? कार्यक्रम में अमृता चिथानी एवं कविता वर्मा ने भगवान श्रीकृष्णजी का स्वहस्तनिर्मित चित्र का प्रदर्शन किया। पीयूष शर्मा , रोशन कुमार एवं पल्लवी चौरसिया ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टॉफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन सहा. प्राध्यापक श्रीमती भारती जादौन द्वारा किया गया।